जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 30 सितम्बर, 2020

जामिया के पूर्व छात्र डॉ शुभादीप चटर्जी शांति स्वरुप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के लिए यह बहुत ही फ़ख़र की बात है कि इसके पूर्व छात्र डॉ शुभादीप चटर्जी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के सर्वोच्च अवार्ड 'शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। उन्हें जैविक विज्ञान की श्रेणी में वर्ष 2020 के लिए, भारत का यह सबसे बड़ा विज्ञान पुरस्कार मिला है।

डॉ शुभादीप चटर्जी 1993 में जामिया के जीवविज्ञान विभाग में शामिल हुए और 1996 में उन्होंने विश्वविद्यालय से बी.एससी बायोसाइंस का अपना कोर्स पूरा किया।

इन दिनों डॉ चटर्जी, तेलंगाना के हैदराबाद स्थित सेंटर फॉर डीएनए फ़िंगरपिंरटिंग एंड डायग्नोस्टिक (सीडीएफडी) में -प्लांट-माइक्रोब इंटरैक्शन पर बतौर वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।

डॉ चटर्जी को यह पुरस्कार, एक रिवर्सेबल, नान जनैटिक बैक्टीरियल सेल्स की उस प्रक्रिया को पहचानने के लिए दिया गया है जिससे, बैक्टीरिया कोशिकाएं अपनी आबादी को नियमित करती हैं। इस प्रक्रिया को कोरम सेंसिंग (क्यूएस) के रूप में जाना जाता है। इस खोज ने अपने प्रकाशन के बाद से ही विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान के रूप में भूमिका निभाई है। इससे बैक्टीरिया में क्यूएस के सैद्धांतिक मॉडलिंग के शोध में वैज्ञानिकों की रूचि और ज़्यादा बढ़ी है।

उनके इस शोध के बाद से आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण प्लांट पैथेजेंस (ज़ैंथोमोनस) को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली है। डॉ चटर्जी के शोध ने उन मौलिक प्रणालियों पर रौशनी डाली है जो बैक्टीरिया सामाजिक कम्युनिकेशन के लिए इस्तेमाल करते हैं।

इससे पहले, डॉ चटर्जी इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट अवार्ड (आईवाईबीए-2009) और भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग से नेशनल बायोसाइंस अवार्ड फार कैरियर डेवलपमेंट जैसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित हो चुके हैं।

इसके अलावा, वह नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (एनएएसआई), इंडिया के फैलो और प्रतिष्ठित गुहा अनुसंधान कान्फ्रेंस (जीआरसी, इंडिया) के सदस्य हैं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक